

# योग-सूत्र-भाष्यम्

[ श्रीगोविन्द-भगवत्पूज्यपाद-शिष्य-परमहंस-परिव्राजकाचार्य-  
श्री शङ्कर-भगवत्-कृत-विवरणानुसारि ]

हिन्दी-विवृति-सहितः

द्वितीयः साधनपादः

व्याख्याता

श्री पूज्यपाद स्वामी सच्चिदानन्द योगी सरस्वती

सम्पादको

डॉ वेदव्रतः

सच्चिदानन्द योग मिशन

दिल्ली, हैद्राबाद

## विषय-विवरणी

### द्वितीयः साधनपादः

सूत्र-संख्या	विषय	पृष्ठ-संख्या
१-२	क्रिया-योग	१-४
३-५	क्लेश : अविद्या,	४-१२
६-६	क्लेश : अस्मिता, राग, द्वेष, अभिनिवेश	१२-१४
१०-११	क्लेश-निवारण	१४-१६
१२-१३	कर्माक्षय	१६-२३
१४-१६	सुख-दुःख	२४-३१
१७	हेय दुःख	३२-३४
१८	'दुष्प' का स्वरूप	३४-३८
१९	गुणत्रय-विभाग	३८-४३
२०-२२	दृष्टा	४३-४६
२३	संयोग : (निमित्त) अदर्शन	४६-५४
२४	संयोग : (हेतु) अविद्या	५४-५६
२५-२८	हान : उपाय विवेककथाति, ६ कारण	५६-६३
२९-३२	योगाङ्ग : यम-नियम	६४-७०
३३-३४	वितर्क और प्रतिपक्ष-भावना	७०-७४
३५-४५	यम-नियम की सिद्धियाँ	७४-८०
४६-४८	आसन	८०-८२
४९-५३	प्राणायाम	८२-८६
५४-५५	प्रत्याहार	८६-८९
१-५५	पाठ-टिप्पणियाँ	८९-१०७